Profile of the Organisations and Summary of the Programmes Engaging Men and Boys

1.Name of the organization: Holistic Action Research and Development (HARD)		
2. Year it was founded: In the year 1998 HARD was founded and get Registration under MadhyaPradesh Society registration act in 8 march 1999.	**3. Complete mailing address**: Sushil kumar shrama Secrtary HARD P.O- kotma (Sahyog Bhoomi Near Jyoti Petroleum) Dist-Anuppur (MP) 484334	
4. Primary e-mail address: hard_ktm@rediffmail.com	**5. Postal address with PIN code:** 484334	**6. State:** Madhya Pradesh
7. Secondary e-mail address:	**8. Office phone number**: 07658-233077 094 24 33 45 37	**9. Website**:
10. Name of the contact person: Mr. Sushil Kumar Sharma		
11. Title of the project/s engaging men and boys (if any): **Responsible fatherhood camping year of 2013 and 2014**		
12. Name of the contact person of responsible for men's/boys' engagement programme or project or initiative : 1. Sushil Sharma 2. Sapan kumar 3. Ameen khan 4. Chandrawati Bhatt 5. Shyamsundre pao		**13. Mobile Phone number of the person**: 09424334537 09424702769 08269439464 09617850762 08223823705

14. Geographical area of work: (Please mention State, districts, block and number of villages)

संस्था वर्तमान में मध्यप्रदेश के शहडोल जिले के बुढ़ार ,गोहपारू विकासखंड ,अनूपपुर जिले के कोतमा, अनुपपुर ,जैतहरी एवं पुष्पराजगढ़ विकासखंड के 100 गावं में सघन रूप से अलग–अलग मुद्दे पर कार्य कर रही है।

15. Available human resources in the organization:

A	Total	Women - 15	Men - 25	TG - 40
B	At management level	Women - 05	Men - 10	TG - 15
C	At programme level	Women - 05	Men - 05	TG - 10
D	At support level	Women - 05	Men - 10	TG - 15

16. Brief history of the organization (Rationale for its creation, Vision, mission and goals,.)

हार्ड संस्था वर्तमान समय में मध्य प्रदेश राज्य के दक्षिण पूर्वी भाग में स्थित जिला अनूपपुर के कोतमा ,जैतहरी एवं अनूपपुर विकासखण्ड एवं शहडोल जिले के बुढ़ार विकासखंड में कार्यरत है। संस्था जिन गतिविधियों पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही है उनमें अजीविका एवं खाद्यान्न सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, माता एवं शिशु स्वास्थ्य ,जेण्डर समानता,समाज में पिता के रूप में पुरूषों की भूमिका, स्थानीय स्वाशासन सरीखे मुददे प्रमुख है। इसके अतिरिक्त संस्था के द्वारा समग्र ग्राम विकास की अवधारणा को साकार करने के दिशा में लगातार प्रयास किये जा रहे है। संस्था के द्वारा वर्ष 2002 से 2012 तक कोतमा ब्लाक के 60 गावं में भोजन के अधिकार अभियान में समाज प्रगति सहयोग एवं टाटा ट्रस्ट मुम्बई के सहयोग से कुपोषण, आंगनबाड़ी सेवा, खाद्य सुरक्षा योजनाओं ,सामाजिक सुरक्षा योजना एवं अजीविका के मुद्दे प्रमुख रहे। संस्था के द्वारा वर्ष 2006 से 2012 तक मध्यप्रदेश सरकार एवं अंतर्राष्ट्रीय दानदाता संस्था डी.एफ.आई.डी. यु.के. के सहयोग से मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के अनूपपुर विकासखंड के 11 गावं में मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका परियोजना के माध्यम से ग्रम सभा सशक्तिकरण ,महिला सशक्तिकरण ,स्व सहायता समूह ,आजीविका के स्त्रोत की पहचान, खाद्य सुरक्षा के मुद्दे प्रमुख रहे। संस्था के माध्यम से वर्ष 2011 से 2012 तक एफ.व्ही.टी.आर.एस. बैंगलोर एवं युरोपीय युनियन के सहयोग से मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के अनूपपुर विकासखंड के 8 गावं के शाला त्यागी युवक युवतियों के साथ कौशल विकास प्रशिक्षण किया गया इसके अर्न्तगत 8 ग्राम मलगा,टॉकी, भाटीसरई, चुकान, भलवाही, उरा, फुलकोना, सेमरा एवं आमाडांड़ में **स्कूल ड्राप आऊट** युवक एवं युवतियो को सिलाई एवं कढ़ाई, मोटर रिवाईडिंग एवं मोबाईल रिपेयरिंग के 3 माह का प्रशिक्षण में 90 युवक एवं युवतियों को माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। सिलाई एवं कढ़ाई– 40 युवतियों को प्रशिक्षण दिया गया मोटर रिवाईडिंग एवं होम अप्लाईसेस–30 युवकों को प्रशिक्षण दिया गया। मोबाईल रिपेयरिंग में 15 युवक एवं 05 युवतियों को प्रशिक्षण दिया गया। 10 गरीब परिवार की प्रशिक्षित यवतियों को ग्राम सभा के माध्यम से सिलाई मशीन प्रस्तावित कर प्रदान किया गया। प्रथम चरण में प्रशिक्षित 55 प्रशिक्षार्थियों को 1000–1000रू एवं 3 प्रशिक्षकों को 2000–2000रू की सहयोग राशि विधायक मद से प्रदान किया गया ताकि वे प्रशिक्षण के उपरांत अपने व्यवसाय की शुरूआत कर सकें। जनवरी 2013 में सी.एच.एस.जे. नई दिल्ली के सहयोग से मध्यप्रदेश के शहडोल एवं अनूपपुर जिले के 40 गावं में समाज में पिता के रूप में पुरूषों की भूमिका को लेकर अभियान जिम्मेदार पितृत्व अभियान चलाया गया। संस्था के द्वारा मई से जून 2013 तक सी.एच.एस.जे नई दिल्ली एवं साथी संस्था भोपाल के सहयोग से माता एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर मातृत्व स्वास्थ्य हकदारी अभियान के तहत 10 गावं के आंगनबाड़ी व्ही.एच.एन.डी सेवाओं पर ,गर्भवती महिला से साक्षात्कार ,धात्री माताओं के साथ साक्षात्कार, चिकित्सा अधिकारी के साथ साक्षात्कार किया गया। जनवरी 2014 में सी.एच.एस.जे. नई दिल्ली के सहयोग से मध्यप्रदेश के शहडोल जिले के बुढ़ार विकासखंड एवं अनूपपुर जिले के कोतमा, जैतहरी, पुष्पराजगढ़ एवं अनूपपुर विकासखंड के 60 गावं में समाज में पिता के रूप में पुरूषों की भूमिका को लेकर अभियान जिम्मेदार पितृत्व अभियान चलाया गया। वर्तमान में संस्था पी.एच.एफ. यु.के. के सहयोग से शहडोल जिले के बुढ़ार विकासखंड एवं अनूपपुर जिले के जैतहरी, अनूपपुर एवं कोतमा विकासखंड के 5 वी अनूसूची के 60 गावं में जो कि अनूसूचित जनजाति कोल, बैगा ,भारिया ,पंडो एवं अन्य अनूसूचित जनजाति बहुल क्षेत्रो में संस्था अजीविका एवं खाद्य सुरक्षा, वन अधिकार अधिनियम, पेसा 1996 , ग्राम सभा सशक्तिकरण, माता एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं ,आदिवासी स्वाशासन सरीखे मुद्दे प्रमुख है।

	Name of the organization	Holistic Action research and development
1	Registration year of the organization	8 March 1999
2	Name of the contact person	Mr. Sushil K. Sharma
3	Contact Address	HARD Near Jyoti Petroleum Burhanpur Road P.O. Kotma, PIN. 484334 District Anuppur Madhya Pradesh Contact no.9424334537 E mail: **hard_ktm@rediffmail.com**
4	FCRA NO.	Year of the registration- 2005 F.C.R.A. 063600004
5	Under 12 A Income tax	AAll/JABAL/TACNEEC/12A/8/05-06
6	PAN No.	AAAH1911L

Please attach brochure, organizational structure or other documents if available

17. Outline of different Programs/projects/initiatives of your organization: Please list all the programs of your organization.

Programme	**Major Activities of the Program**
For example: Involving men in stopping domestic violence	1. Poster display 2. Workshop with PRI members
"Addressing Malnutrition among children and food Security in M.P"	NRC, Malnutrition ,Child and Maternal health ,Gender Equity ,women Empowerment
Skill Development programe for school dropout youth in kotma block	Vocational Training on gender base ,EDP,
Promoting livelihood Support system through community organization	Gram sabha, PESA 1996, Forest right act, Health Issue , Malnutrition ,MGNREGA, Social Protection ,livelihood , Strengthening community based

	organization like JANKADAM, women Empowerment
MadhyaPradesh Rural Livelihood Project	Empower of Gram sabha, livelihood support, social protection , gender equity women Empowerment
Responsible Fatherhood camping	Awareness Camping, Rally, Pamphlets' Distribution, wall writing, Experience Sharing, sapath patra etc.

18. Brief history of the boys / men's involvement program (When the program was created / launched; How it came about – what were the contexts of girls / women and boys/ men in terms of gender equality and masculinity Who were the key stakeholders in the conceptualization, creation and implementation of the program? How the program evolved as it is now.)

संस्था द्वारा जब ग्रम स्तर पर यह अभियान चलाया गया तो सबसे पहले इसमे ग्राम स्तर पर सामुदायिक बैठक कर जानकारी दी गई जिसमे समुदाय द्वारा यह संकल्प लिया गया कि हम अपने घरों मे एवं समाज मे महिला हिंसा को खत्म करने का प्रयास करेगें साथ ही यदि किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न होती है तो उसका निर्णय सामुदायिक बैठक कर किया जाएगा एवं ग्राम पंचायत का सहयोग भी लिया जा सकेगा। इसके साथ ही समुदाय द्वारा जेण्डर समानता के लिए भी अभियान चलाने का सामुदायिक स्तर पर निर्णय लिया गया इसके साथ ही संस्था द्वारा किशोरी बालिकाओ एवं बच्चों के लिए भी कार्यक्रम के माध्यम से इसके उद्देश्यों को पहुंचाने की कोशिश की गई।

Objectives of the boys/men's engaging program (please give brief of each programme/ initiatives)

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पुरूषों एवं बच्चो मे जेण्डर समानता का विकास करना है ताकि वे अपने कार्यक्षेत्र मे जेण्डर असामनता को कम कर सके एवं क्षेत्र मे जेण्डर समानता का प्रचार–प्रसार कर घरेलू हिंसा का कम करने के साथ–साथ महिलाओं को शसक्त बना सके ।

19. Target population of boys/men's engaging program (Please be specific: fathers, boys, leaders etc.)

पुरूषों के साथ काम करते हुये जिम्मेदार पितृत्व अभियान के दौरान लगभग 4500 लोगों की इस अभियान में भागीदारी रही।

- पिता–1800
- लड़के–1760
- लीडर–126

महिलाएं एवं लड़कियां–814

20. Program and activities of boys / men's engaging program: what were the result/ impact since the program's implementation)

जिम्मेदार पितृत्व अभियान	जिम्मेदार पितृत्व अभियान के कार्य की शुरूआत संस्था द्वारा सितंबर 2012 से प्रारंभ किया गया जिसके अतंर्गत संस्था के कार्यकर्ताओं को संबंधित विषय पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसके पश्चात संस्था कार्यकर्ताओ द्वारा अनूपपुर एवं शहडोल जिले के 60 गांवो मे जिम्मेदार पितृत्व अभियान के अंतर्गत क्षेत्र मे सामुदायिक बैठक,रैली,दीवाल लेखन ,पम्पलेट वितरण ,दीवाल स्टीकर ,विद्यालयीन बच्चो के साथ कार्यक्रम रैली एवं अन्य माध्यम से इस अभियान के उद्देश्यों को समुदाय मे पहुंचाने का प्रयास किया गया तथा इस उद्देश्य के साथ ही पुरूषो द्वारा संकल्प पत्र भरा गया इस अभियान के पश्चात लक्षित क्षेत्र मे पुरूषो द्वारा अपनी जवाबदारी को बेहतर तरीके से समझा गया तथा अपने बच्चो एवं परिवार के कार्यो मे एक जिम्मेदार पिता के साथ–साथ समाज मे एक जिम्मेदार नागरिक के रूप मे भी कार्य किया जा रहा है। इसी अभियान के द्वितीय चरण मे पुनः अनूपपुर एवं शहडोल जिले के कोतमा,बुढ़ार,जैतहरी एवं अनूपपुर तहसील मे इस अभियान को आगे बढ़ाया गया जिसके अंतर्गत ग्राम स्तर पर रैली,दीवाल लेखन ,बैठक ,पम्पलेट वितरण दीवाल स्टीकर ,विद्यालयीन बच्चों के साथ कार्यक्रम रैली एवं अन्य कार्यक्रम क्षेत्र मे आयोजित किये गये साथ ही पिछले चरण मे चलाये गये अभियान से कार्यक्षेत्र मे क्या परिवर्तन का हुआ इसका भी अवलोकन किया जिसके परिणाम स्वरूप यह निकलकर आया कि इस अभियान से कार्यक्षेत्र मे पुरूषो द्वारा अपनी भूमिका को बेहतर रूप से समझने मे मदद मिली है जिससे वे आज एक बेहतर पिता,पति एवं जिम्मेदार नागरिक के साथ–साथ अपनी हर भूमिका को अच्छी तरह से निभा रहे है।
मातृत्व स्वास्थ्य हकदारी अभियान	मातृत्व स्वास्थ्य हकदारी अभियान की शुरूआत से पहले संस्था द्वारा सीएचएसजे नई दिल्ली एवं साथी संस्था के साथ जुड़कर ग्राम स्तर पर ''राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन'' मे दिये जाने वाले स्वास्थ्य सुविधाओं मे से मुख्यतः ''ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस ,जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम,जननी एक्सप्रेस योजना एवं जननी सुरक्षा योजना'' के बारे मे संस्था कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया जिसके पश्चात संस्था कार्यकर्ताओं द्वारा क्षेत्र मे इन कार्यक्रमो का अवलोकन किया गया जिसमे यह पाया गया कि यह सुविधाएं सुचारू रूप से नही चल रही थी इसके पश्चात संस्था कार्यकर्ताओं द्वारा इन योजनाओं के सुचारू संचालन हेतु इन योजनओं के बारे मे सामुदायिक स्तर पर जिसके प्रशिक्षण प्रदान किया जिसके परिणाम स्वरूप ग्राम स्तर पर समुदाय द्वारा निगरानी का कार्य किया जाने लगा जिससे इन सुविधाओं का संचालन पूर्व की अपेक्षा बेहतर तरीके से होने लगा इसके पश्चात ''मातृत्व स्वास्थ्य हकदारी मंच'' से जुड़कर संस्था द्वारा गर्भवती,धात्री ,बाह्य रोगी ,मेडिकल आफिसर ,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ,ए.एन.एम. एवं अन्य लक्षित समुदाय से साक्षात्कार एवं अन्य माध्यम से इसके संचालन की जानकारी ली गई एवं इसके द्वारा तैयार आंकड़े एवं विश्लेषण के पश्चात जिला स्तर पर अनूपपुर एवं शहडोल जिले मे संबंधित विभाग अधिकारी ,माननीय विधायक जी एवं जनप्रतिनिधि एवं हितग्राहियों के साथ जनसंवाद का आयोजन किया गया इसके पश्चात राज्य स्तरीय जन संवाद मे भी संस्था द्वारा भाग लिया गया जिसके परिणाम स्वरूप केशवाही प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मे एक जांच टीम भेजी गई साथ ही स्वास्थ्य सुविधाओं को क्षेत्र मे बेहतर बनाने के प्रयास किये जा रहे है।

21. What are the challenges faced by organisation on working with men and boys

संस्था के द्वारा महिलाओं एवं बच्चों के अधिकार पर पुरूषों के साथ काम करते है कुछ प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ा–

- अभियान से जुड़े कार्यकताओं के साथ निरंतर प्रशिक्षण की अवश्यकता।
- महिलाओं एवं बच्चों के अधिकारों के लिये कार्य करने के लिये जिला स्तरीय फोरम का गठन हो जहां पर महिलाओं एवं बच्चों के साथ हुये हिंसा के विरूद्ध पहल किया जा सके।

22. **Any Resource materials that you have developed over the years while working with boys and men?** (Please give a brief description as well as give the link if it is available online)
    - बालको और पुरूषो के साथ कार्य करते समय संस्था द्वारा वहां पर ग्राम स्तर पर उपलब्ध संसाधनो का प्रयोग रिसोर्स मटेरियल के रूप मे किया गया एवं उदाहरणो के माध्यम से बेहतर तरीके से इस अभियान का संचालन किया गया।

23. **Is your organisation have any associassion with any networks/ alliences on gender equality and social justice** Please give details of the network/ associations/ alliences)
    - **Right to food campaign**
    - **Common health**
    - **SATHI Bhopal**
    - **CHSJ New Delhi**
    - **MHRC Bhopal**
    - **Samaj Pragati Sahyog Dewas**
    - **MGNREGA consortium**
    - **FVTRS Banglore**
    - **UDYOGINI New Delhi**

24. **What relationship organisation hold with women 's movement organisation**
    - **Many Organisation-sangini, Wanangana etc.**

25. **Is your organisation involve in providing training on gender/ masculinity/ sexuality/ gender based violence to youth, men, activist as resource organisation. If yes please attach the CV of resource person**
    - हां संस्था द्वारा इन मुद्दो पर कार्य किया गया जिसमे मुख्यतः सपन कुमार ,श्याम सुन्दर पाव ,चन्द्रवती भट्ट,दिव्या राव ,कमलेश कुमार ,मो. इसहाक ,कल्लू प्रसाद ,रमाशकर तिवारी ,मोहन पटेल ,पूरन सिंह ,कुंवर बहादुर सिंह एवं अमीन खान द्वारा मुख्यत प्रशिक्षक के रूप मे भाग लिया गया।

26. **Do you have any procedure to respond to Gender based discrimination/ violence in your organization?**
    - We have committee under VISHAKHA guideline

27. **Expectations from Network:**
    1. Capacity building
    2. Orientation over theme
    3. Exposure and field implementation support

28. **What is it that you think you could contribute to the network?**
    - हां संस्था द्वारा परिस्थितियो एवं क्षमता के अनुसार संस्था द्वारा अपना पूरा सहयोग दिया गया एवं भविष्य मे भी संस्था कार्य के प्रति पूर्ण से समर्पित एवं तत्पर रहेगी।

    Experience sharing

    From the field to the other stake holder and network

29. **What is that you think you could contribute to the field of engaging with men and boys for gender equality?**
    - हां संस्था द्वारा परिस्थितियो एवं क्षमता के अनुसार संस्था द्वारा अपना पूरा सहयोग दिया गया एवं भविष्य मे भी संस्था कार्य के प्रति पूर्ण से समर्पित एवं तत्पर रहेगी।

30. **Any other things do you want to share**
    - आज समाज में महिलाओं एवं बच्चों के अधिकारों के लिये कई पुरूष आगे आना चाहते जो समाज में महिलाओं एवं बच्चों के प्रति मानसिकता (पितृसत्तात्मक) सोंच में बदलाव लाना चाहते है लेकिन वे समाज के प्रति उन (पिताओ) के मन में डर बना हुआ है क्यों कि एसे पुरूषों की संख्या कम है क्यों समाज में उन पुरूषों के प्रति गलत सोंच पनप रही है इस स्थिति में उन पुरूषों के साथ काम करने की जरूरत लगातार महसूस होती है इसके साथ ही ग्राम स्तर पर पुरूष पर अपने बच्चों के प्रति गंभीर रूप से चिंतित है जिसमे मुख्यतः बालिका शिक्षा है जिसमे आज भी ग्राम स्तर पर शिक्षित बालिकाओं की संख्या बहुत कम है जिसका कारण विद्यालय का दूर होना ,रास्ते जंगल से होते हुए गुजरना ,परिवार की आर्थिक स्थिती सही नही होना एवं पुरानी परंपरागत रीतियॉ है। इस पर समुदाय द्वारा इस अभियान को सघन रूप से चलाने के लिए सुझाव भी रखा गया।